750
12/12/12

खण्ड-11 संख्या-4

दशम् बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(कार्यवाही भाग-2, प्रश्नोत्तररहित)

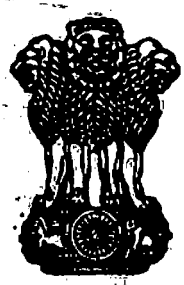

सत्यमेव जयते

बृहस्पतिवार

तिथि 8 जुलाई, 1993 ई०

इस सबंध में बिहार सरकार अपने स्तर से श्री पाण्डेय के खोजने हेतु कार्रवाई करना चाहेगी ताकि प्रदेश के बाहर कार्य कर रहे बिहारवासियों के बीच भय एवं आतंक का वातावरण समाप्त हो।

(ट) नियमों के पालन में एकरूपता

श्री सुशील कुमार मोदी : अध्यक्ष महोदय, पटना शहर में आज से छः माह पूर्व जितनी भी गाड़ियों में काला शीशा लगा था उनको जबर्दस्ती उतरवा लिया गया, विधायकों और हमलोगों की गाड़ियों से काला शीशा खुलवा लिया गया। लेकिन मुख्यालय के वरीय पुलिस अधिकारी, डी.जी., श्री ए.के. चौधरी, आई.जी., मैकु राम एवं डी.आई.जी. बलजीत सिंह अपनी गाड़ियों में काला शीशा लगाकर घूम रहे हैं। आम आदमी के गाड़ियों से काला शीशा निकाल दिया गया है और पुलिस मुख्यालय के लोग काला शीशा लगाकर खुलेआम घूम रहे हैं। मैं मांग करता हूं कि सबों के साथ एक तरह का व्यवहार हो।

पूरे पटना शहर में जगह-जगह नाका लगाया गया है और स्कूटर तथा गाड़ियों को रोका जाता है और पैसा वसूला जाता है जबकि अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं। 50 जगह चेकपोस्ट बनाया गया है और लाइसेंस चेकिंग के नामपर गाड़ियों को रोककर पैसा वसूला जाता है। व्यापारी जो सामान लेकर जाते हैं, उनसे पूछा जाता है कि कहां से सामान ला रहे हैं, उसका बिल दिखाइये, पुलिस वाले उनको तंग करते हैं।

इसलिए मैं चाहता हूं कि सरकार या तो सबों को काला शीशा गाड़ियों में लगाने की अनुमति प्रदान करे अन्यथा पुलिस अधिकारियों की गाड़ियों से भी काला शीशा को हटाया जाय। दूसरी चीज, जो चेकपोस्ट बनाये हुए हैं और गलत तरीके से जो व्यापारियों और आम लोगों को तंग कर रहे हैं, उसको बन्द किया जाय।

श्री उपेंद्र प्रसाद वर्मा : जो पुलिस चौकियों पर पैसा लेने का आरोप लगाया गया है, उसकी जाँच हम सिटी एस.पी. से करा देंगे। शीशे के सवाल पर एकरूपता होगी, जो नियम है वह सब पर लागू होगा।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : डी. आई. जी. से जाँच करवा दीजिए।

श्री उपेद्र प्रसाद वर्मा : शीशे के बारे में जो नियम हैं, वह समान रूप से लागू होगा।

श्री सुशील कुमार मोदी : जाँच के बारे में?

अध्यक्ष : हमने इनको कह दिया कि डी. आई. जी. से जाँच करायें।

श्री महेन्द्र झा आजाद : जब तक पुलिस पदाधिकारियों की गाड़ियों से काला शीशा नहीं हटता है तब तक आम लोगों को इसके लिए तंग नहीं किया जाय।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आपकी गाड़ी पर काला शीशा लगता है, किसी दूसरे की गाड़ी पर पीला शीशा लगता है। अगर रूल में ऐसा होगा कि पुलिस पदाधिकारियों की गाड़ी का शीशा काला होगा, तब तो उनका रहेगा।

(माननीय सदस्यों की ओर से कहा गया कि रूल में ऐसा नहीं है।)

अध्यक्ष : माननीय मंत्री, अगर रूल में ऐसा नहीं है तो इसको देखिये।

श्री उपेन्द्र प्रसाद वर्मा : जो नियम हैं वह समान रूप से लागू होगा।

श्री राजो सिंह : अध्यक्ष महोदय, काला शीशा लगाकर चलना परिवहन नियम के विपरीत सबके लिए है, चाहे चीफ सेक्रेटरी हों या कोई हों। चीफ सेक्रेटरी की पहचान होगी दूसरी चीज से, आपकी पहचान होगी दूसरी चीज से। जिसको झंडा है, उसको लाल बत्ती है लेकिन काला शीशा किसी को लगाना गुनाह है। इनके अफसर जो काला शीशा लगाये हुए हैं उनको हटाने में इनको क्या एतराज है?

श्री उपेन्द्र प्रसाद वर्मा : मैं तो कह रहा हूं कि जो नियम है, वह समान रूप से लागू होगा।

श्री राजो सिंह : अध्यक्ष महोदय, नियम मंगाकर देख लीजिए। नियम में है कि मिनिस्टर, स्टेट मिनिस्टर, डिप्टी मिनिस्टिर, स्पीकर, काउंसिल के

चेयरमैन, गवर्नर, इनके यहां हाऊस-गार्ड रहेगा लेकिन कमीश्नर से नीचे एस. पी. और कलक्टर के यहां हाऊस-गार्ड नहीं रहेगा। यह नियम के विपरीत है। लेकिन बिहार राज्य में इस तरह का पस्चिालन होता जा रहा है कि एस. डी.ओ., अंचलाधिकारी, एस.पी., डी.एस.पी. के यहां हाऊस गार्ड है। लेकिन जिनको स्टेट मिनिस्ट का दर्जा दिये हैं, उनके यहां हाऊस-गार्ड नहीं है। उनको जो सिक्यूरिटी दिये हैं, वह भी स्पेशल ब्रांच से नहीं दिये हैं। किसी दिन इस सदन में हंगामा होगा ही। इसलिए आप परिपत्र जारी कीजिए कि कमीश्नर के नीचे जितने अफसर हैं वे हाऊस-गार्ड को हटा दें नहीं तो उनके खिलाफ कार्रवाई होगी।

श्री उपेन्द्र प्रसाद वर्मा : इसको हम दिखवा लेंगे।

(ठ) किऊल नदी पर पुल

श्री राजेन्द्र राजन : अध्यक्ष महोदय, बेगूसराय जिले के मटिहानी प्रखण्ड के शाम्हों, अकबरपुर एवं बिजुलिया पंचायतों तथा मुंगेर जिला के रामचन्द्रपुर, ओलीपुर एवं पिपरिया पंचायतों की विशाल आबादी गंगा नदी एवं किऊल नदी से घिरा रहने के कारण आवागमन से वंचित हैं। वर्ष में 8 माह सूर्यगढ़ा में पीपापुल के नहीं रहने से निवासियों को असह्य कष्ट होती है।

अतएव सूर्यगढ़वा में किऊल नदी पर स्थायी पुल बनवाया जाय ताकि वहां आवागमन की सुविधा मिल सके।

(ड) निष्कासित मजदूरों का काम पर वापसी

श्री शिवदानी प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, बेगूसराय जिले के हिन्दुस्तान फर्मास्युटिकल्स, बरौनी एक औद्योगिक इकाई है। गत 17-6-93 से उक्त उद्योग के आधा से अधिक निष्कासित मजदूर धरना पर बैठे हुए हैं। दिनांक 3-7-93 से मजदूरों ने भूख हड़ताल प्रारम्भ कर दी है। इनमें से पांच मजदूरों की भूख हड़ताल के कारण गम्भीर स्थिति हो गयी है। लाचार होकर मजदूर अनिश्चित कालीन गेट जाम का कार्यक्रम आरम्भ कर रहे हैं। कारखाना के अन्दर, बाहर, बाजार में अन्य कारखानों में, और कमजोर तबका के गरीब लोगों के बीच तनाव और दहशत का वातावरण छाया हुआ है। किसी भी समय शांति भंग हो सकती है। अतः सरकार अतिशीघ्र हस्तक्षेप कर निष्कासित संघर्षरत